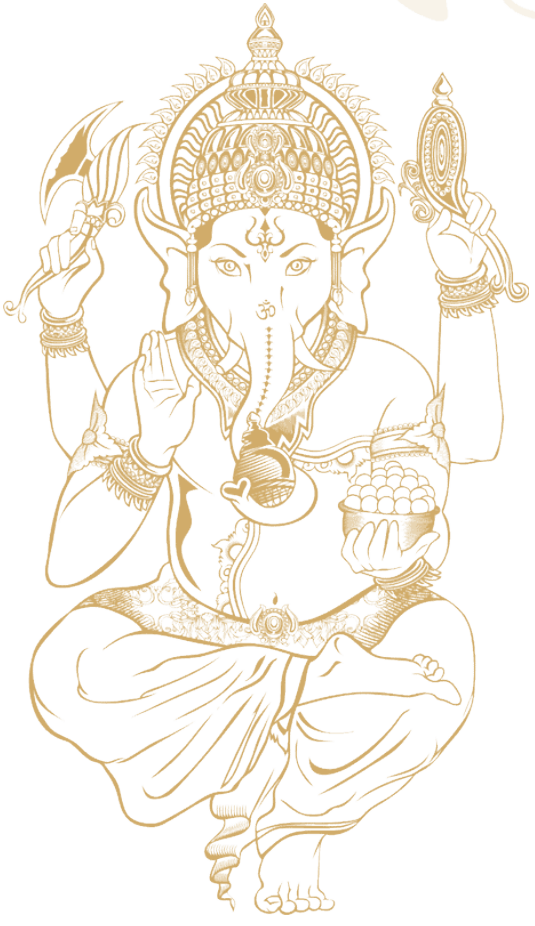

Sumeet kundra

03 Jan 1994

09:20 AM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121475302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/01/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:20:00 घंटे**
इष्ट	04:50:55 घटी
स्थान	**Pali Marwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:46:00 उत्तर
रेखांश	73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:43:44 घंटे
वेलान्तर	-00:04:22 घंटे
साम्पातिक काल	15:33:54 घंटे
सूर्योदय	07:23:37 घंटे
सूर्यास्त	17:57:52 घंटे
दिनमान	10:34:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:45:38 धनु
लग्न के अंश	18:43:27 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	18:43:27	423:23:01	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			धनु	18:45:38	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	24:40:08	14:04:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	16:56:21	00:45:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	18:21:09	01:36:39	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	16:18:32	00:08:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	15:25:59	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	03:25:55	00:05:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	08:28:39	00:03:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	08:28:39	00:03:23	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	27:55:41	00:03:31	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	26:45:50	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:21:49	00:01:50	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृश्चि	02:02:01	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:40

लग्न-चलित

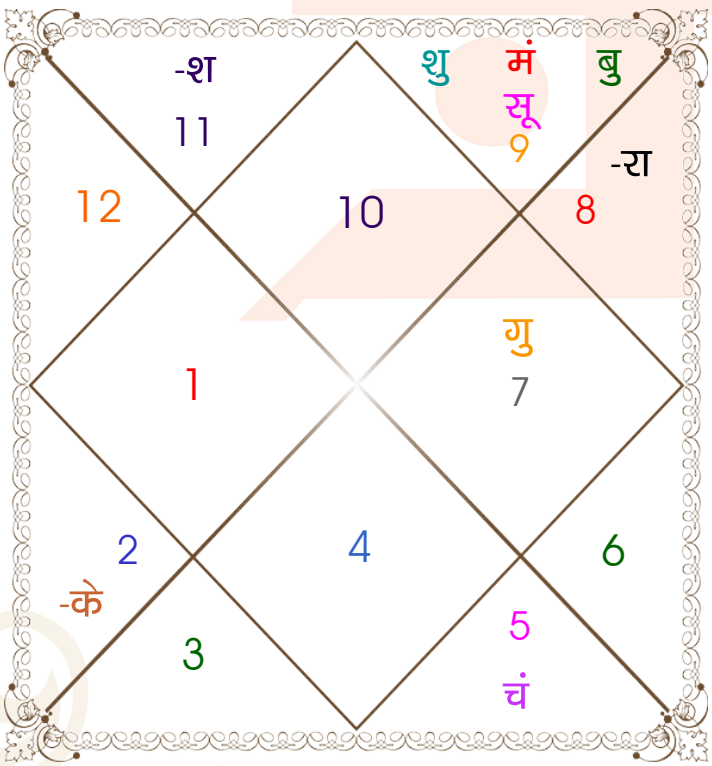

चन्द्र कुंडली

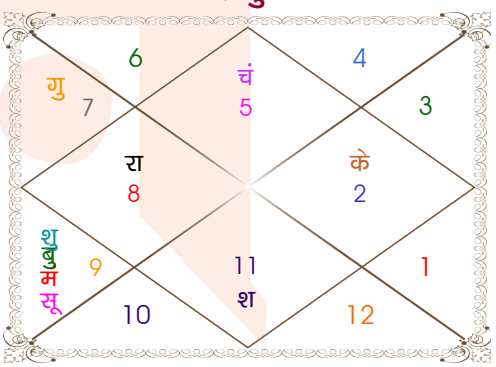

नवमांश कुंडली

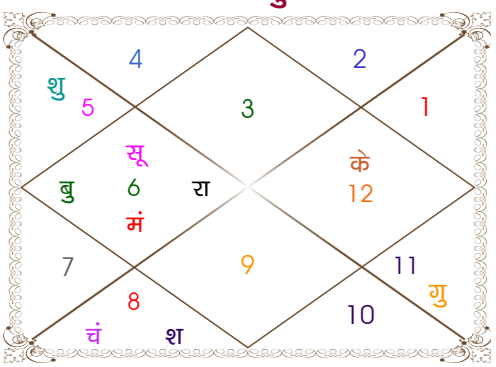

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 11 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/01/1994		01/01/1997		02/01/2003		01/01/2013		02/01/2020	
01/01/1997		02/01/2003		01/01/2013		02/01/2020		02/01/2038	
	00/00/0000	सूर्य	21/04/1997	चंद्र	02/11/2003	मंगल	31/05/2013	राहु	14/09/2022
	00/00/0000	चंद्र	21/10/1997	मंगल	02/06/2004	राहु	18/06/2014	गुरु	07/02/2025
	00/00/0000	मंगल	25/02/1998	राहु	02/12/2005	गुरु	25/05/2015	शनि	15/12/2027
	00/00/0000	राहु	20/01/1999	गुरु	03/04/2007	शनि	03/07/2016	बुध	03/07/2030
	00/00/0000	गुरु	08/11/1999	शनि	02/11/2008	बुध	30/06/2017	केतु	22/07/2031
	00/00/0000	शनि	20/10/2000	बुध	03/04/2010	केतु	26/11/2017	शुक्र	22/07/2034
	03/01/1994	बुध	27/08/2001	केतु	02/11/2010	शुक्र	26/01/2019	सूर्य	15/06/2035
बुध	02/11/1995	केतु	02/01/2002	शुक्र	03/07/2012	सूर्य	03/06/2019	चंद्र	14/12/2036
केतु	01/01/1997	शुक्र	02/01/2003	सूर्य	01/01/2013	चंद्र	02/01/2020	मंगल	02/01/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/01/2038		02/01/2054		01/01/2073		02/01/2090		01/01/2097	
02/01/2054		01/01/2073		02/01/2090		01/01/2097		00/00/0000	
गुरु	20/02/2040	शनि	04/01/2057	बुध	31/05/2075	केतु	31/05/2090	शुक्र	04/05/2100
शनि	02/09/2042	बुध	15/09/2059	केतु	27/05/2076	शुक्र	31/07/2091	सूर्य	04/05/2101
बुध	08/12/2044	केतु	23/10/2060	शुक्र	28/03/2079	सूर्य	06/12/2091	चंद्र	03/01/2103
केतु	14/11/2045	शुक्र	24/12/2063	सूर्य	02/02/2080	चंद्र	06/07/2092	मंगल	04/03/2104
शुक्र	15/07/2048	सूर्य	05/12/2064	चंद्र	03/07/2081	मंगल	02/12/2092	राहु	05/03/2107
सूर्य	03/05/2049	चंद्र	06/07/2066	मंगल	30/06/2082	राहु	20/12/2093	गुरु	03/11/2109
चंद्र	02/09/2050	मंगल	15/08/2067	राहु	17/01/2085	गुरु	26/11/2094	शनि	02/01/2113
मंगल	09/08/2051	राहु	21/06/2070	गुरु	25/04/2087	शनि	05/01/2096	बुध	04/01/2114
राहु	02/01/2054	गुरु	01/01/2073	शनि	02/01/2090	बुध	01/01/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 11 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।